

त्रैमासिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी

कक्षा : XI

समय : 2 घंटे 15 मिनट

पूर्णांक : 50

हिन्दी भाषा

प्र.1. किसी एक विषय पर लगभग 400 से 450 शब्दों में एक निबन्ध अथवा कहानी लिखिए :- [20]

- (i) किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख कीजिए जो आपका आदर्श रहा हो, वह आपका आदर्श क्यों है और उससे आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?
- (ii) 'परिवारों में बढ़ती दूरियाँ' - कारण बताते हुए इसे दूर करने के सुझाव भी दीजिए।
- (iii) 'विश्व पर्यावरण दिवस' के लिए आपके क्या विचार हैं ? आप पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या करना चाहेंगे?
- (iv) एक मौलिक कहानी लिखिए - जिसका अन्त इस वाक्य से हो -
“काश मैंने अपने विवेक से काम लिया होता ।

या

यह शुभ समाचार मेरे लिए अविश्वसनीय था ।

प्र.2. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाएँ :- [1x2=2]

- (i) हाथ धोकर पीछे पड़ना ।
- (ii) आँच न आने देना ।

प्र.3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए :- [1x3=3]

- (i) मेरा घर यहाँ से प्रायः चार मील दूर है ।
- (ii) संत तुकाराम सच्चे ईश्वर के भक्त थे ।
- (iii) तुम्हारे को मेरे से क्या कहना है ?

हिन्दी साहित्य [12½x2 = 25]

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। दोनों पुस्तकों से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

“गद्य संकलन”

1. 'पुत्र प्रेम' - 'पुत्र प्रेम' कहानी का सार लिखकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। [12½]
2. 'बिल्कुल बच्चों की - सी बातें करती हो। इटली में ऐसी कोई संजीवनी नहीं रखी हुई है जो तुरन्त चमत्कार दिखाएगी। जब वहाँ भी केवल प्रारब्ध की ही परीक्षा करनी है, तो सावधानी से कर लेंगे। [1½+3+4+4]

- (i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? तथा श्रोता कौन है ?
- (ii) बिल्कुल बच्चों की - सी बातें करती हो' - कथन से वक्ता का क्या आशय था ?
- (ii) 'इटली में ऐसी कोई संजीवनी नहीं रखी हुई है' - वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए ।
- (iv) 'प्रारब्ध की परीक्षा' करने से वक्ता का क्या प्रयोजन है ?

“काव्य मंजरी”

3. 'साखी' - कबीर दास जी की भक्तिभावना का परिचय देते हुए उनकी परमात्मा के प्रति तड़प एवं भक्ति को 'साखी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

[1½+3+4+4]

4. तन कौ जोगी सब करै, मन कौ विरला कोई ।
सब विधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ ।

- (i) कबीर दास जी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
- (ii) कबीर दास जी ने बाह्य आडम्बरों का विरोध किया - उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर लिखिए ।
- (iii) किसे सहज पाया जा सकता है और कैसे ?
- (iv) 'तन का जोगी' होना एवं 'मन का जोगी होना' में क्या अन्तर है ? समझाकर लिखिए ।